

संगोष्ठी

बिहार में खेल-कूद का भविष्य एवं विकास

आयोजक : बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान, पटना तथा
कला संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार, पटना

स्थान : होटल पाटलिपुत्र अशोक, बीरचन्द्र पटेल पथ, पटना

दिनांक: 22 फरवरी 2007

समय: पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 5 बजे तक

समय	कार्यक्रम/ विषय	मुख्य वक्ता/ अतिथिगण
<i>प्रथम सत्र</i>		
<i>09.30 से 11.15 बजे पूर्वाह्न</i>		
9.30 - 10.30	पंजीकरण	
10.00 - 10.05	स्वागत भाषण	श्री जी० एस० दत्त, भा.प्र.से. महानिदेशक, बिपार्ड
10.05 - 10.10	दीप प्रज्ज्वलन	श्री जनार्दन सिंह सिग्गीवाल, माननीय मंत्री कला, संस्कृति एवं युवा विभाग
10.10 - 10.20	विशिष्ट अतिथि का संबोधन	श्री ए. के. सिंह, भा.प्र.से. सचिव, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार, पटना
10.20 - 10.40	अतिविशिष्ट अतिथि का संबोधन	श्री कीर्ति आजाद भूतपूर्व सांसद एवं भूतपूर्व सदस्य, भारतीय क्रिकेट टीम
10.40 - 11.00	मुख्य अतिथि का उद्बोधन	माननीय मंत्री श्री जनार्दन सिग्गीवाल, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार
11.00 - 11.05	धन्यवाद ज्ञापन	श्री मिथिलेश तिवारी सचिव, एसोसिएशन ऑफ बिहार क्रिकेट
11.05 - 11.15	चाय-पान	
<i>द्वितीय सत्र</i>		
<i>11.30 पूर्वाह्न से 12.15 अपराह्न</i>		
11.30 - 12.15	1) बिहार में खेलकूद की वर्तमान स्थिति एवं भविष्य में खेलकूद की गतिविधि	श्री ए.के. सिंह, भा.प्र.से. सचिव, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार
	2) बिहार में स्पोर्ट्स का अतीत - बीते हुए सुनहरे दिन	प्रो० प्रेम कुमार पत्रकार एवं स्पोर्ट्स कमेंटेटर

समय	कार्यक्रम/ विषय	मुख्य वक्ता/ अतिथिगण
		<p>पैनल</p> <ol style="list-style-type: none"> 1) श्री जनार्दन सिग्नीवाल, माननीय मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार 2) श्री जी. एस. दत्त, महानिदेशक, बिपार्ड 3) श्री कीर्ति आजाद, भूतपूर्व सांसद एवं भूतपूर्व सदस्य, भारतीय क्रिकेट टीम
<i>तृतीय सत्र</i>	<i>12.15 से 01.00 बजे अपराह्न</i>	
12.15 - 01.00	खेल-कूद के क्षेत्र में रोजगार का अवसर	<p>श्री कीर्ति आजाद भूतपूर्व सांसद एवं भूतपूर्व सदस्य, भारतीय क्रिकेट टीम</p> <p>पैनल</p> <ol style="list-style-type: none"> 1) श्री प्रदीप मोदक पत्रकार, हिन्दुस्तान टाइम्स, पटना
<i>चतुर्थ सत्र</i>	<i>01.00 से 01.45 बजे अपराह्न</i>	
01.00 से 01.45	<ol style="list-style-type: none"> 1) बिहार में खेल-कूद विकास संगठन की भूमिका 2) बिहार के गाँवों में खेल-कूद के विकास में पंचायत राज संस्थाओं की भूमिका 	<p>श्री मिथिलेश तिवारी सचिव, एसोसिएशन ऑफ बिहार क्रिकेट, पटना</p> <p>श्री ए.के. सिन्हा एवं श्री ओम प्रकाश प्रचायत राज केन्द्र, बिपार्ड</p> <p>पैनल</p> <ol style="list-style-type: none"> 1) श्री ए. के. सिंह, भा.प्र.से. सचिव, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार, पटना 2) श्री समीर सेन गुप्ता खेल-कूद (स्पोर्ट्स) पत्रकार एवं टेस्ट क्रिकेट कमेंटेटर 3) श्री सी. प्रसाद भूतपूर्व कप्तान, भारतीय फुटबॉल टीम
<i>पंचम सत्र</i>	<i>01.45 से 02.30 बजे अपराह्न</i>	<i>भोजनावकाश</i>
<i>षष्ठम सत्र</i>	<i>02.30 से 03.15 बजे अपराह्न</i>	

समय	कार्यक्रम/ विषय	मुख्य वक्ता/ अतिथिगण
2.30 से 03.15	बिहार में खेलकूद के विकास एवं भविष्य की दिशा में राज्य सरकार, पंचायत राज केन्द्र, गैर सरकारी संगठनों की भूमिका	माननीय मंत्री श्री जनार्दन सिग्गीवाल, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार पैनल 1) प्रो. ए. बी. प्रसाद, पटना 2) श्री सुधीर कुमार राकेश, भा.प्र.से., मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग, बिहार 3) श्री जय नारायण पाण्डेय पत्रकार, हिन्दुस्तान टाइम्स, पटना 4) श्री दीपक पाण्डेय पत्रकार, आज, पटना
<i>सप्तम सत्र</i>	<i>03.15 से 04.15 बजे अपराह्न</i>	
03.15 से 04.15	खेल-कूद में स्वास्थ्य एवं औषधि का अनुप्रयोग	1) डॉ. सुभाष चन्द्र स्वास्थ्य सेवा, बिहार सरकार, पटना 2) डॉ. धीरेन्द्र कुमार सिन्हा स्वास्थ्य सेवा, बिहार सरकार, पटना 3) डॉ. चिरंजीव कुमार खंडेलवाल महावीर कैंसर संस्थान, पटना 4) डॉ. रत्नेश चौधरी भूतपूर्व फिजियोथेरापिस्ट इ.गाँ.आ.विज्ञान सं., शेखपूरा, पटना पैनल 1) डॉ. अजय कुमार, अध्यक्ष, आई.एम.ए. 2) प्रो. ए.के. सिंह, निदेशक, आई.जी.आई.एम.एस. , पटना 3) डॉ. आर. एन. सिंह हड्डी रोग विशेषज्ञ, पटना 4) डॉ. शांति सिंह स्त्री रोग विशेषज्ञ, पटना

अष्टम सत्र

04.15 से 04.45 बजे अपराह्न

04.15 से 04.45

बिहार में खेल-कूद (स्पोर्ट्स) के विकास के लिए भावी रणनीति

प्रो. अखौरी भुवनेश्वर प्रसाद, पटना

पैनल

- 1) प्रो. प्रेम कुमार, पत्रकार एवं कमेंटेटर
- 2) श्री ए. के. सिंह, भा.प्र.से.
सचिव, कला, संस्कृति एवं यूवा विभाग,
बिहार, पटना
- 3) कुमारी रश्मि
अंतर्राष्ट्रीय कैरम खिलाड़ी
- 4) श्री विजय कुमार
कबड्डी संघ, पटना

नवम सत्र

04.45 बजे अपराह्न

4.45

समापन समारोह

- 1) धन्यवाद ज्ञापन
संयुक्त सचिव
कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार, पटना

दृष्टव्यः उपरोक्त कार्यक्रमों में यथावश्यकता संशोधन की संभावना हो सकती है।

संगोष्ठी
बिहार में खेल-कूद का भविष्य एवं विकास

आयोजक: बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान, पटना एवं
कला संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार, पटना

दिनांक : 22 फरवरी 2007

क्रम सं.	नाम	पदनाम	कार्यालय
1	श्री मो. मुश्ताक अहमद	महासचिव	बिहार हॉकी संघ, पटना
2	डॉ. अख्तर आबिद अली	व्याख्याता (भूगोल)	जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल कॉलेज, नौवाही, सुरसंड, सीतामढ़ी
3	श्री त्रिपुरारी प्रसाद	उपसचिव	बिहार हैण्ड बॉल एसोसिएशन, बेगूसराय
4	डॉ. रवि शंकर	व्याख्याता	जे.एल. कॉलेज, हाजीपुर
5	श्री प्रेम कुमार	विश्वविद्यालय प्राध्यापक, अंग्रेजी (से.नि.)	पटना विश्वविद्यालय, पटना
6	श्री नीरद कुमार पप्पु		थ्रो बॉल एसोसिएशन ऑफ बिहार
7	श्री ब्रजनाथ प्रसाद	उप निदेशक शारीरिक शिक्षा	पटना डिवीजन, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार, पटना
8	श्री एम. क्यू. जौहर	समन्वयक	पी.टी.एफ., पटना
9	श्री बिकास कुमार	कैमरामैन	ईटीवी न्यूज, पटना
10	श्री शैलेन्द्र कुमार	कार्यालय सचिव	बिहार खेल पत्रकार संघ, पटना
11	श्री मुकेश राय	सचिव	बिहार टेबुल टेनिस संघ, पटना
12	श्री अविनाश कुमार	स्टिंगर	एस.टी.वी., पटना
13	श्री आर. के. सिंह	सदस्य	बिहार थ्रो बॉल एसोसिएशन, पटना
14	डॉ. अजय कुमार सिंह	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष	न्यूरोलॉजी विभाग, आई.जी. आई.एम.एस., पटना
15	डॉ. धीरेन्द्र कुमार सिन्हा	चिकित्सा पदाधिकारी	स्वास्थ्य विभाग, बिहार पटना

16	डॉ. संजीव धारी सिन्हा	निदेशक-सचिव	नेटबॉल एसोसिएशन, पटना
17	श्री अमित कुमार श्रीवास्तव	रिपोर्टर	सहारा समय, पटना
18	श्री एस. एजाज हारुण	सचिव	बिहार ओलंपिक एसोसिएशन, पटना
19	डॉ. सुभाष चन्द्रा	आर्थोपेडिक सर्जन	स्वास्थ्य विभाग, बिहार पटना
20	श्री समीर सेन गुप्ता	प्राध्यापक (से.नि.)	ए.एन. कॉलेज, पटना
21	श्री संजय कुमार सिंह	राष्ट्रीय प्रशिक्षक	एथलेटिक्स, सचिवालय, पटना
22	श्री विजय कुमार दिवाना		बिहार एथलेटिक्स संघ, पटना
23	श्री बिरेन्द्र कुमार सिंह	भारोत्तोलन कोच एवं सचिव	भारोत्तोलन संघ, कैमूर
24	श्री विजय कुमार	महासचिव	बिहार भारोत्तोलन संघ, पटना
25	श्री रमेश कुमार सिंह	सचिव	अखिल भारतीय सर्वांगीण विकास संस्था, पटना
26	श्री मृत्युञ्जय कु0 तिवारी	अध्यक्ष	बिहार प्लेयर्स एसोसिएशन, पटना
27	श्री जय नारायण पाण्डेय	वरीय उप संपादक	हिन्दुस्तान टाइम्स, पटना
28	श्री विकाश कुमार	उपाध्यक्ष	क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ अरवल
29	डॉ. रत्नेश चौधरी	फिजियोथेरापिस्ट एवं योग विशेषज्ञ	आई.एच.एम., दिल्ली
30	श्री अरुण कुमार	महासचिव	बिहार राज्य आत्या-पात्या एसोसिएशन, पटना
31	डॉ. अनिल कुमार	अध्यक्ष	एसोसिएशन फॉर बुद्धिस्ट सर्किट डेवलपमेंट, गया
32	श्री राघवेन्द्र कुमार	प्रतिनिधि	आकाशवाणी, पटना
33	श्री विजय कुमार शर्मा	महासचिव	बिहार राज्य सेवक टोकरी एसोसिएशन, पटना
34	श्री आई.एस. ठाकुर	महासचिव	बिहार स्टेट खो-खो एसोसिएशन, पटना
35	डॉ. कौशल किशोर सिंह	अध्यक्ष	बिहार थ्रो बॉल एसोसिएशन, पटना
36	श्री ललितेश्वर प्रसाद वर्मा	अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय क्रिकेट अंपायर	बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया, पटना

37	श्री अंजनी कुमार सिंह	सचिव	कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार, पटना
38	श्री बी.के. सिंह	पत्रकार	
39	श्री मिथिलेश तिवारी	महासचिव	एसोसिएशन ऑफ बिहार क्रिकेट, पटना
40	श्री सुरजीत सिंह “गुड्डू सिंह”	अंडर-19 एवं अंडर-15 बिहार क्रिकेट कोच	एसोसिएशन ऑफ बिहार क्रिकेट, पटना
41	श्री अरुण कुमार सिंह	खेल पत्रकार	दैनिक जागरण, पटना
42	श्री योगेश कुमार	सचिव	बिहार महिला हॉकी संघ, पटना
43	श्री रामाशीष प्रसाद सिंह	सचिव	बिहार वॉलीबॉल संघ, पटना
44	अभय कुमार सिंह	प्रदेश उपाध्यक्ष	भाजपा, बिहार
45	डॉ. अखौरी बी. प्रसाद	प्राध्यापक (से.नि.)	पटना विश्वविद्यालय, पटना
46	श्री पी.सी. चौधरी	संयुक्त निदेशक	बिपार्ड, पटना
47	श्री अभय कुमार	महासचिव	बिहार टग ऑफ वार, पटना
48	श्री पारस नाथ राय	विशेष सचिव	गृह विभाग, बिहार, पटना
49	श्री महेन्द्र प्रसाद यादवेन्द्र	सहायक निदेशक युवा कल्याण	कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार, पटना
50	श्री ओम प्रकाश तिवारी	महासचिव	पंडित दीनदयाल उपाध्याय लोक कल्याण समिति, पटना
51	श्री भारत भूषण	महासचिव	बिहार राज्य कैरम संघ, पटना
52	सुश्री रश्मि कुमारी	अंतर्राष्ट्रीय कैरम खिलाड़ी	बिहार राज्य कैरम संघ, पटना
53	श्री के. एम. बावला	कार्यपालक पदाधिकारी	अस्तित्वा, पटना
54	श्री अजेन्द्र शर्मा	अध्यक्ष	क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बिहार, अरवल
55	श्री अब्दुर रहमान	संयुक्त सचिव-सह-निदेशक	कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार, पटना
56	श्री शिव चन्द्र झा	महानिदेशक	बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना
57	श्री कामेश्वर सिंह	सचिव	बिहार कुश्ती संघ, पटना

58	श्री के. एन. जायसवाल	अवै० सचिव	बिहार बैडमिन्टर संघ, पटना
59	श्री कुमार प्रवीण	सदस्य	भोजपुर क्रिकेट एसोसिएशन, आरा
60	श्री मुश्ताक खाँ	खेल संवाददाता	संगम उर्दू दैनिक, पटना
61	डॉ. शान्ति सिंह	अध्यक्ष	महिला क्रिकेट, पटना
62	श्री श्याम गुप्ता	छायाकार	दैनिक जागरण, पटना
63	श्री कुमार रामेश्वर	अध्यक्ष	एसोसिएशन ऑफ भोजपुर क्रिकेट, आरा
64	श्री वीरेन्द्र कुमार	उपाध्यक्ष	अखिल बिहार शतरंज संघ, पटना
65	श्री तेज नारायण सिंह	सलाहकार	पंचायत राज केन्द्र, बिपार्ड, पटना
66	श्री रवि कुमार शर्मा	संयुक्त सचिव-सह-निदेशक	बिहार राज्य स्नूकर एण्ड बिलियर्ड्स एसोसिएशन, पटना
67	श्री मुकुल वर्मा		119/22, एस.के. नगर, पटना
68	श्री गंगाधर	उप निदेशक विधि	बिपार्ड, पटना
69	श्री महेन्द्र सुमन	डॉक्यूमेंटेशन सहायक	बिपार्ड, पटना
70	श्री ओम प्रकाश	सलाहकार	बिपार्ड, पटना
71	सुश्री सुलेखा कुमारी	अध्यक्ष	बिहार विकलांग खेल अकादमी, पटना
72	श्री ज्ञान बाबू मेहता	सचिव	बिहार पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन, पटना
73	श्री राम विलास पाण्डेय	सचिव	बिहार तैराकी संघ, पटना
74	श्री अजय कुमार	महासचिव	बिहार ताईक्वांडो एसोसिएशन, पटना
75	श्री जनार्दन प्रसाद सिंह	उप निदेशक	कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार, पटना
76	श्री सुरेश कुमार सिन्हा	उप सचिव	कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार, पटना
77	श्री शम्स ताहीद	एथलेटिक्स प्रशिक्षक एवं कोषाध्यक्ष	बिहार एथलेटिक्स संघ, पटना
78	श्री प्रेम चन्द्र सिंह	इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस	अंतर्राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता, सैफ गेम्स एव विश्व पुलिस प्रतियोगिता, ट्रिपल जंप, एथलेटिक्स

79	कर्नल राजेन्द्र सिंह	से.नि.	
80	श्री विजय कुमार प्रसाद	राष्ट्रीय एथलीट- उपाध्यक्ष	सारण जिला एथलेटिक संघ
81	श्री ब्रजेश कुमार साह	एथलीट	सीवान एथलेटिक संघ
82	श्री वंशीधर तिवारी	सदस्य	प्रदेश कार्यसमिति, एथलेटिक संघ, सारण
83	श्री अशोक कुमार सिंह	जिला अध्यक्ष	भाजपा एथलेटिक्स संघ, सारण
84	श्री कमलेश कुमार	पत्रकार	खुशी टाइम्स मैगजीन, पटना
85	श्री सुजय तिवारी	स्टेट सेलेक्टर	क्रिकेट, बिहार सेलेक्टिंग कमिटी, पटना
86	श्री संजय दत्त	सुपरवाइजर क्रिकेट	मुख्य पोस्टमास्टर जेनरल, बिहार सर्किल, पटना
87	डॉ. रबिन्द्र नारायण सिंह	आर्थोपेडिक सर्जन	अनूप मेमोरियल आर्थोपेडिक सेन्टर, पटना
88	श्री रामा शंकर प्रसाद	ऑनोररी सचिव	बिहार फेंसिंग एसोसिएशन, पटना

AN OVERVIEW OF GLORIOUS PAST

A detailed record of the early years of Sports in Bihar, in general and of Patna in particular, is not available for the benefit of posterity. If a systematic effort is, however, made on historiography in this hitherto untapped field, it would be a great tribute to our Sportspersons whose feats remain covered under a veil of ignorance. The Stadium at the eastern fringe of Rajendra Nagar has been named after the late Mr. Haq as a tribute to his epoch-making role in giving a shape to the Olymic movement in India and particularly in Bihar.

TENNIS:

In the early 1940s the Sen brothers, Khasu and Nashu were the cynosure of all eyes for their exploits in the world of Tennis. In 1940, at the age of 14 years, Khasu defeated Dilip Bose in the final of a junior Championship at Ranchi. It was Dilip Bose, who was later to become Asian Champion.

Khasu and Nashu soon made the grade and were winning several national level Championships. While Khasu was a brilliant Singles player, he teamed up with his elder brother Nashu, to make a fearsome Doubles team. Nashu's volleying was superb and he would hardly miss anything near the net.

That Khasu was destined to reach heights of glory was obvious from the excellent coaching he had received in his impressionable years thanks to the munificence of Mr. P.R. Das, Barrister-at-law, who was then President of both the State and All India Lawn Tennis Associations. Mr. Das used to invite well-known professionals to coach Tennis players at Patna besides others at Lucknow, Calcutta, Bombay, Delhi and Lahore. They were Weiss from Germany and Istrabou from France. Mr. Das paid them handsomely and ut them up at his Fraser Road residence when the coaching was done at Patna.

If a full list of Khasu Sen's achievements is to be made it would need much more space. But mention must be made of his no. 5 ranking in India in the 1942-43 winter with such greats as Ghaus Mohammad, Iftexhar Ahmad, Yudhisthir Singh and S.L.R. Swahney coming before him in that order. Other leading players of that period were Prem Pnathi, Man Mohan, Narendra Nath, Dilip Bose and Sumant Mishra.

The Sen brothers brought top sporting glory to Patna University. As students of Patna College, they took part in the Inter-University Tennis Championship held at Allahabad in 1942-43. Playing brilliantly throughout the Championship, Khasu and Nashu won for Patna the All India title. In the final, ranged against them for Calcutta were Dilip Bose and Sumant Mishra. While Khasu won both his singles, he partnered his brother to vanquish the pride of

Bengal. It was such a great and memorable win that a holiday was declared in the University by the then Vice-chancellor, Dr. Sachchidanand Sinha.

KANJILAL:

Subodh Kanjilal, however, brought glory to Patna by winning India colours in Football. He went with the national team to Kabul for taking part in an important tournament in 1949. He was the first and only Bihar Player who got into India team by playing his football at Patna only. Others before him like Samad, Rameshwar Prasad, nicknamed Mickey Mouse by the Australians for his ability to adroitly enter any defence and Mewalal and later Chandeshwar Prasad and P.K. Banerjee, all shown splendidly after their Baptism to Soccer in the Calcutta Maidan.

Subodh Kanjilal was a versatile athlete having also represented Patna University in Hockey, Cricket, Athletics and perhaps swimming. He went as an official to Commonwealth Games in 1956 and 1986 and also acted in a similar capacity during the 1982 Asian Games. Mr. Dharam Bir Sinha, who later became a Union Minister, was also an official at the 1951 Asiad and so did Mangal Babu, a footballer of repute, act as a Judge in the same Asiad.

C. PRASAD:

Patna's Chandeshwar Prasad was such an outstanding footballer, a Centre-Half, that he remained the darling of crowd at the Calcutta Maidan for over a decade. He played regularly for the 'Big Three', i.e., Mohun Bagan, East Bengal and Mohammedan Sporting and also had the distinction of leading India in the Merdeka Championship in Kuala Lumpur and later in the Pesta Sukan Soccer in Singapore where India won the trophy. After his return from Calcutta, Prasad joined State Transport as a Football Coach and also led Bihar in the National Football Championship held at Patna in the 1976-77 winters. Later Prabhakar Mishra of Patna had also played for India after he had shifted to Ranchi.

UMESH VERMA

Like Subodh Kanjilal, Umesh Verma was also a gifted sportsman. Before he came to Patna, he lived at Patiala and like so many of the Punjabis, Hockey was his first love. Besides Tennis and Table Tennis, Umesh Verma was exceptionally talented as a Badminton player. Can you believe that he had won the State Badminton title for nearly 12 years in a row! He once told me that when he shifted to Patna from Patiala and joined the B.N. College as a student, he expressed a desire to play the trials for selection of the University Badminton team. The organizers were in a fix, as the team had been almost finalized. They, however suggested that if Verma so desired he could play against the number one. Umesh Verma at once agreed, and to and behold! he ran out a convincing winner. Umesh Verma was an able organizer too. He started a Tournament in the memory of his

fater, the late Rai Bahadur Ambika Prasad Verma and matches were played in the Sinha Library Hall. Leading players of the country those days like Amrit Lal Dewan, P.S. Chawla, G. Hemmady, Manoj Guha and Pranob Bose regularly came to Patna and played superb Badminton, the type of which has been seldom seen here.

BADMINTON :

Badminton seems to be on the upswing in Patna these days. The National Championship was held here in the Secretariat Badminton Hal in the last week of January, 2007. All the big wigs of the game, except Aparna Popat, came for the Championship. Aparna had to withdraw in the last minute due to wrist injury. Chetan Anand and Sania Nehwal were the title winners in the Men's and Women's sections, respectively. While Chetan defeated Anand Pawar 21-18, 21-17, Nehwal had to slog it out with Aditi Mutatkar, before winning 21-19, 21-17 in the ultimate round.

INTER VARSITIES :

The talk of Badminton brings to mind several Inter-University Championship held at Patna, mostly in the Wheeler Senate Hall. One fondly recalls magnificent performance of some of the all- time greats, like Nandu Natekar (Bombay), once ranked 3rd in the world, Dinesh Khanna (Punjab), who later became the Asian Champion and Prakash Padukone (Bangalore), Patna proved lucky for Prakash, as he ascended Himalayan heights from here winning the All England title, traditionally treated as the unofficial world championship.

Patna's best ever display in the Varsities Badminton came during the Zonal championship held here in the mid 60's. The brilliance of Madhu Sinha, grand daughter of Dr. Sachchidanand Sinha, one of the makers of modern Bihar, titled the scales in favour of Patna in the East Zone finals. She not only won both her Singles but also teamed up effectively with Miss Sharan to clinch the doubles. It was a pity that due to some personal reasons the girls could not go to Bombay for the Inter-zonals and play for further glory.

VOLLEY BALL.

Sports on the Patna University campus got a big boost when Dr. G.P. Sinha, Professor of Labour and Social Welfare, took over as Secretary of the University's Athletic Club from Sri R.K. Verma, Advocate and a teacher of Patna Law College. It all began with the organization of the North Zone Inter-University Volley ball Championship during the Puja vacation of 1964. It was such a great success that there used to be tremendous excitement at the Patna College grounds.

Temporary galleries were erected to accommodate as many spectators as possible. Needless to say that every inch of space on the stands used to be occupied every day. The Inter zonal finals between Guru Nanak Dev University and South Zone winners, Osmania was a hair-raising encounter which had the crowd often at its feet. Finally, the powerful and well-directed smashing of Tilakam Gopal, so Osmania riding the crest of the wave. Later, Gopal was selected in the Indian team as he continued to go from strength to strength as a player.

PATLIPUTRA CRICKET

For three years in a row, beginning from the 1986-87 winter, the Patliputra Invitation Cricket Tournament provided top class fare to the lovers of the game. Most of the well-known players except Sunil Gavaskar played here. The included Kapil Dev, Vengsarkar, Ravi Shastri, Md. Azharuddin, Kirti Azad, Maninder Singh, G.R. Vishwanath, Syed Kirmani, Bharat Arun and Robin Singh. The teams which often entered the Tournament were SBI, Tata XI, Chemplast of Madras led by Bharath Reddy and SAIL, Delhi led by B.S. Bedi.

On March 1, 1987, the B.C.A. Golden Jubilee match between Tata XI and Gavaskar XI was played at Patna. The Tata XI comprised Dilip Vengsarkar, Ravi Shastri, Lalchand Rajput, Kiran More, Raju Kulkarni, Randhir Singh and Saba Karim, among others. The Gavaskar XI had, besides Gavaskar, Arun Lal, B. Arun, L.Siva Ramakrishnan, Chandrakant Pandit, R.S. Hans, Roger Binny, Maninder Singh, Gurusharan Singh and N.S. Siddhu.

The same year, i.e. in 1987, after the India-Pakistan One-dayer an exhibition match between Gavaskar XI and Imran XI was held in which Imran Khan also played at Patna.

DULEEP TROPHY

A Duleep Trophy Semi-final match between North Zone and Central Zone was allotted to Patna mainly at the initiative of the late Randhir Prasad Verma, IPS, who was also the Secretary of the Bihar Cricket Association in 1990 and 1991. The match was played at the Moinul Haq Stadium on January 18, 19, 20, 21 and 22, 1991. North won the tie by 10 wickets, Batting first, Central were all out for 277 in the first innings and 206 in the second despite a century (103) by Pravin Amre. North piled up 452 in their first knock and scored 32 without loss in the second. Principal scorers for the star-studded North Zone team were Ajay Jadeja (61), Ajay Sharma (40), Kirti Azad (141) and Kapil Dev (69), Manoj Prahakar, Atul Wassan, Kapil Dev and Maninder Singh were North's principal wicket takers.

The final between North and South Zone teams was played at Jamshedpur. North piled up a mountain of a first innings score of 729 for 9 wickets, declared. Replying, West were all out for 561. There were, in all, six century knock in the match. The scorers were Raman Lamba (180), Manoj Prabhakar (143) and Kapil

Dev (119) for North, and Ravi Shahstri (152), Sanjay Manjrekar (105) and Dilip Vengsarkar (114) for West.

HERO CUP

A Hero Cup match between Sri Lanka and Zimbabwe was played at Patna on November 15, 1993 in which Zimbabwe were the winners.

WORLD CUP :

After a long wait, Patna was allotted a World Cup match between Kenya and Zimbabwe. This was originally fixed for February 26, 1996 but due to unseasonal rains, the match was played the next day, i.e. on February 27 in which Zimbabwe emerged victorious. Paul Strang of Zimbabwe, who took 5 wickets for 21 runs, was declared 'Man of the Match'

Besides good cricket, the World Cup match provided a good deal of entertainment to the crowd on the day it rained. Whenever helicopters landed on the stadium outfield, there used to be prolonged cheers from the crowd. Thus the frustration of not seeing the match was considerably removed.

WILLS TROPHY:

Two Wills Trophy matches were played in Patna, one in 1982 and the other on the 10th of January, 1993. Chandu Borde was the Cricket Control Board's Observer on the earlier occasion. While details of the match played in 1982 are not available, the Board President's XI played in Bombay in 1993.

JUNIOR CRICKET :

A two-day match between Pakistan under 19 and their counterparts from East Zone was played at Patna on February 7 and 8, 1978. For Pakistan Shoaib Mohammad, son of Hanif Mohammad and Rashid latif who became one of Pakistan's leading fast bowlers, were seen in action. This match was also interrupted by rain.

Later, in March, 1985, the Australian and Indian under 19 years teams, played a 4-day Test Patna. Though this match ended in draw, a century (167) by Senthilnathan, a painstaking 73 by Mudkavi and a scintillating 57 by Syed Saba Karim and some lusty hitting by Amikar Dayal were the highlights of the match.

Tom Moody, who is now the Coach of the Sri Lanka team, also played for the Aussies.

WOMEN'S CRICKET :

Women's Cricket proved very popular when at the initiative of the late Mr. R.I.Singh, M.L.C., a three-day Test was played here between India and the West Indies in 1974. Though India lost, one still recalls with joy the splendid batting of Shantha Rangaswamy.

Eves Cricket returned to Patna after a long gap. A one dayer between India and New Zeland was played on March 15, 1985 in which India emerged winners by three wickets and with 17 balls to spare.

The Kiwi girls came to Patna being 3 - 1 up having won the limited overs match at jaipur, New Delhi and Jamshedpur. At Patna, the visitors were kept on a tight leash, especially by seamer Shashi Gupta and left arm spinner Diana Eduljee. As a result of this they were restricted to a total of 187 for 7 in the 50 stipulated overs. Even this would not have been possible but for the second wicket stand between Skipper Debbie Hockley and Jackie Clark which yielded 82 runs.

The star batswomen in the Indian team were Sudha Shah, Anjali Pendarkar and Arundhati Ghosh who was declared the Woman of the Match.

Two years later, i.e. on December 22, 1997, a Women's World Cup match was played here between India and South Africa in which India were the winner.

VETERAN'S CRICKET :

In March 1985, a Veteran's Cricket match between kapil XI and Abdul Qadir XI comprising most of the star players of the past was played here in the Moinul Haq stadium. The visitors from Pakistan were the winners.

SATIKANT GHOSH :

The star sportsman of Patna, may Bihar, in the mid 50's, was Sati kanta Ghosh, a student of Patna Medical College. He had established himself as a leading sprinter of India and had been to Manila for the Asian Games in 1953 as a member of the 4 x 100 meters relay team. Others in the team were, Lavy Pinto, Havildar Balwan Singh and Ram Swaroop. Due to poor baton - changing done on the advice of Coach Roussean, the strong India quarter finished fourth while the Women's team, coached by Arthur Howard, won the gold medal in 4 X 100 meters relay.

Sati Ghosh had emerged as a champion sprinter right from his school days. He was a student of Patna St.Xavier's and in the annual athletic competitions against St.Michel's those days, he was always the winer in 100-meters spring. In 1948, when Sati Ghosh was a student of the Xth standard, he entered the State

Athletic championship, and running barefeet, he had breasted, he had breasted the tape ahead of all others, clocking a good 11 seconds flat.

As a student of Patna University, Sati Ghosh was often the winner of the sort sprint in the Inter Varsities, Later, he started doring 200 metres and long jump also. In the Varsities Athletics held in 1955 at Aligarh, Sati Ghosh won the 100 metres and set a new record of 22.1 seconds in the 200 metres. In the 1992 Nationals held at Jabalpur, Sati Ghosh came second to Lavy Pinto clocking 10.8 seconds to Pinto's 10.7.

TABLE TENNIS :

Patna has always fielded a reasonably strong team in the Inter University Table Tennis Championships which bean on All India basis as late as in 1958. The inaugural even was held at Aligarh and a powerful Bombay team comprising Gautam Diwan, Mayur Vyas and Mayur Shah had been winners, Patna team consisting of Dr. Ranen Lal Das Verma (Capt.), mahendra kapoor, Achal Nath Sinha and Prem Kumar, i.e., this writer, was pitted against Lucknow. The Patna University team lost but the next year, at Muzaffarpur, Patna defeated Allahabad 3 - 2 after being 0 - 2 down at one stage. Thereafter Patna players, Jai Prakash, Mahendra Kapoor and Prem Kumar came back from behind and pipped Allahabad 3 - 2 at the post. In the next round, Madras, led by nationally ranked V.Ramachandran, prevailed 3 - 1 over Patna.

Patna's best ever performance in the Varsities Table Tennis was recorded in October, 1969 at Varansi where the team led by Dr.Prabhakar Jha, now a Professor in the Department of Personnel Management and Industrial Relations, and comprising Tapan Kumar Mullick, Gautam Bhattacharjee besides the gifted Ashok Chatterjee, reached the finals. On way to the Zonal finals, they defeated Jadevpur 5 - 3 in the semis. This till far, Ashok Chatterjee, now settled in the U.S.A. was unbeaten; Indeed this was a brilliant performance as the Jadavpur team had a highly ranted Bengal players, Sadhan Dutta, with them. In the finals, however, Patna came up against the might of Delhi's Prem Bedi, Deepak Wadera, Pankaj Butalla and Rajinder Dua, All the matches were nevertheless evenly contested and a big crowd had turned upto see how the Patna players made the nationally known Delhi stars right for every point.

**(An abridged form of paper presented by
Dr. Prem Kumar)**